5 लिंग (Gender)

जो शब्द किसी व्यक्ति या प्राणी

बच्चो! आप पिछली कक्षाओं में जान चुके हैं कि हिंदी में दो लिंग हैं— पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग। प्रत्येक संज्ञा शब्द का लिंग निर्धारित है, चाहे वह सजीव हो अथवा निर्जीव। सजीव का लिंग-निर्धारण तो सहज है, किंतु निर्जीव वस्तुओं के लिंग-निर्धारण में हमें व्याकरण के नियमों का प्रयोग करना होता है। हिंदी में अधिकतर पुल्लिंग शब्दों में प्रत्यय लगाकर उसे स्त्रीलिंग का रूप दिया जाता है।

कुछ शब्दों का लिंग परिवर्तन देखिए—

(क) 'आ' प्रत्यय जोड़कर—

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
अध्यक्ष	अध्यक्षा
प्रिय	प्रिया
मूर्ख	मूर्खा
अनुज	अनुजा
सुत	सुता
पूजनीय	पूजनीया
आदरणीय	आदरणीया
भवदीय	भवदीया
अपराजित	अपराजिता

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
आचार्य	आचार्या
सदस्य	सदस्या
महोदय	महोदया
वृद्ध	वृद्धा
उदित	उदिता
अग्रज	अग्रजा
चपल	चपला
आर्य	आर्या
पूज्य	पूज्या

(ख) 'ई' प्रत्यय जोड़कर—

मुरगा	मुरगी
दूत	दूती
हिरन	हिरनी

बेटा	बेटी
देव	देवी
राक्षस	राक्षसी

(मामा-मामी के समान प्रायः सभी रिश्तों में 'ई' प्रत्यय जोड़कर स्त्रीलिंग शब्द बनते हैं, जैसे—चाचा-चाची, भतीजा-भतीजी आदि)

(ग) 'नी' प्रत्यय जोड़कर—

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सिंह	सिंहनी
ऊँट	ऊँटनी
सरदार	सरदारनी
चोर	चोरनी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मजदूर	मजदूरनी
भील	भीलनी
मास्टर	मास्टरनी
जाट	जाटनी

(घ) 'इन' प्रत्यय जोड़कर—

बाघ	बाघिन
नाती	नातिन
भिखारी	भिखारिन
अभागा	अभागिन
लुहार	लुहारिन
सुनार	सुनारिन

दर्जी	दर्ज़िन
सहपाठी	सहपाठिन
ग्वाला	ग्वालिन
नाई	नाइन
मालिक	मालकिन
भक्त	भक्तिन

(ङ) 'आनी' अथवा 'आणी' प्रत्यय जोड़कर—

मेहतर	मेहतरानी
मास्टर	मास्टरानी
पंडित	पंडितानी
भव	भवानी
पठान	पठानी

सेठ	सेठानी
क्षत्रिय	क्षत्राणी
मुगल	मुगलानी
इंद्र	इंद्राणी

(च) 'इया' प्रत्यय जोड़कर—

गुड्डा	गुड़िया
बंदर	बंदरिया
लोटा	लुटिया
कुत्ता	कुतिया
बछड़ा	बछिया

चिड़ा	चिड़िया
खाट	खटिया
गूजर	गुजरिया
डिब्बा	डिबिया

(छ) 'इका' प्रत्यय जोड़कर—

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सेवक	सेविका
शिक्षक	शिक्षिका
निर्देशक	निर्देशिका
गायक	गायिका
धावक	धाविका

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नायक	नायिका
पाठक	पाठिका
याचक	याचिका
अध्यापक	अध्यापिका

(ज) 'आइन' प्रत्यय जोड़कर—

लाला	ललाइन
बाबू	बबुआइन
पंडा	पंडाइन
पंडित	पंडिताइन
चौधरी	चौधराइन

गुरु	गुरुआइन
ठाकुर	ठकुराइन
बनिया	बनियाइन
चौबे	चौबाइन

(झ) 'वान' को 'वती' में तथा 'मान' को 'मती' प्रत्यय में बदलकर—

बलवान	बलवती
श्रीमान	श्रीमती
धनवान	धनवती
प्रज्ञावान	प्रज्ञावती
भगवान	भगवती
विद्यावान	विद्यावती

रूपवान	रूपवती
गुणवान	गुणवती
आयुष्मान	आयुष्मती
भाग्यवान	भाग्यवती
बुद्धिमान	बुद्धिमती
सत्यवान	सत्यवती

(ञ) 'त्री' प्रत्यय जोड़कर—

दाता	दात्री
भर्ता	भर्त्री
नेता	नेत्री

वक्ता	वक्त्री
कर्ता	कर्त्री
अभिनेता	अभिनेत्री

'इनी' अथवा 'इणी' प्रत्यय जोड़कर—

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
स्वामी	स्वामिनी
अभिमानी	अभिमानिनी
आज्ञाकारी	आज्ञाकारिणी
परोपकारी	परोपकारिणी
तपस्वी	तपस्विनी
तेजस्वी	तेजस्विनी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
संन्यासी	संन्यासिनी
यशस्वी	यशस्विनी
राग	रागिनी
यक्ष	यक्षिणी
हंस	हंसिनी
हितकारी	हितकारिणी

'पूर्ण परिवर्तन' करके लिंग-परिवर्तन—

कवि	कवयित्री
विधुर	विधवा
बादशाह	बेगम
वीर	वीरांगना
सम्राट	सम्राज्ञी
युवक	युवती

विद्वान	विदुषी
वर	वधू
बैल	गाय
साधु	साध्वी
फूफा	बुआ

प्राणिवाचक नित्य पुल्लिंग व नित्य स्त्रीलिंग शब्द एवं उनका लिंग परिवर्तन

णिवाचक संज्ञाएँ सदैव पुल्लिंग या स्त्रीलिंग में ही प्रयोग की जाती हैं, उनमें लिंग परिवर्तन के लिए ब्दों से पहले 'नर' या 'मादा' शब्द का प्रयोग किया जाता है।

नित्य पुल्लिंग शब्द—कौआ, खरगोश, चीता, भेड़िया, मगरमच्छ, सियार, तोता, भालू, मच्छर, ल, गरुड़, बाज़, उल्लू तथा बिच्छू आदि।

नित्य स्त्रीलिंग शब्द—मछली, मकड़ी, मक्खी, कोयल, तितली, मैना, चील, गिलहरी, लोमड़ी तथा कली आदि।

अप्राणिवाचक नित्य (सदा) पुल्लिंग शब्द

ों के नाम — गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, धान। ***अपवाद***—*अरहर, मूँग, ज्वार आदि।*

ों के नाम — सोना, लोहा, पीतल, ताँबा। ***अपवाद***—*चाँदी।*